खबर संक्षेप

प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला के शिक्षक द्वारा शराब पीकर आते हैं स्कूल

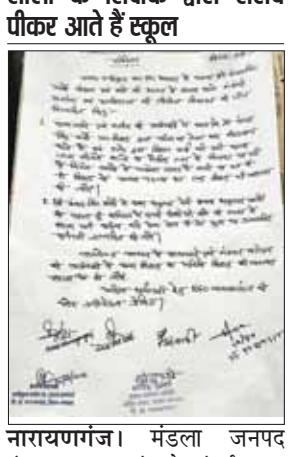

नारायणगंज। मंडला जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमदरा मैं प्राथमिक शाला में पदस्थ मंगल सिंह मार्को द्वारा शराब के नशे में स्कूल में आते हैं जिससे बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है एवं उनका शिक्षा स्तर खराब हो रहा है ग्राम पंचायत अमदरा के सरपंच एवं साला प्रबंधन के अध्यक्ष और प्रधान पाठक द्वारा लिखित शिकायत शिक्षा अधिकारी नारायणगंज को की है कि उक्त शिक्षक को शीघ्र ही किसी दूसरे स्कूल में पहुंचाएं ताकि यहां के बच्चों का अध्ययन करने में जो परेशानी हो रही है उनके अभिभावकों के द्वारा कहा जा रहा है अगर शीघ्र ही उक्त मंगल सिंह मार्को शिक्षक को यहां से हटाया नहीं जाएगा तो वह अपने बच्चों को स्कूल पहचाने नहीं देंगे क्योंकि शिक्षक द्वारा अध्ययन कार्य नहीं कराया जाता और शराब के नशे में आकर स्कूल परिसर में बैठा रहता है जिससे बच्चे मे पढ़ाई नहीं हो पाती है इससे के कारण उन्हें पढ़ने लिखने में डर लगता है अतः सभी ग्राम वासियों और सरपंचों ने निवेदन शिक्षा अधिकारी को किया है कि शीघ्र उक्त शिक्षक को अन्य जगह पदस्थापना की जाए एवं यहां पर किसी नए शिक्षक को बुलाकर अध्ययन में हो रही परेशानी का निराकरण हो सके।

निर्माण सामग्री नहीं सिर्फ भारी भरकम बिल ही आते नजर

गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य, कमीशन बेमिशाल

*** तय की जाये तकनीकि अधिकारियों की जबावदेही, हो दण्डात्मक कार्यवाही**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भ्रष्टाचार की बड़ी वजह निर्माण कार्य ही होते है इन्हीं कार्यो के माध्यम से जिसे जितना मौका मिलता है अपना लाभ ठीक कर रहा है इस अनियमितता को दूर करने के लिये ही सरकार द्वारा तकनीकि विभाग बनाये हैं शासकीय निर्माण एजेंसियां बनाई गई हैं जहां पर भारी भरकम वेतन पर अधिकारी काम कर रहे हैं लेकिन जिन पर चोरी रोकने की जिम्मेदारी है वही चोरी करा रहे हों तो फिर क्या?

जब कोई भी निर्माण कार्य स्वीकृत होता है तो उसकी डिजाईन के साथ गुणवत्ता तय की जाती है और उसी के अनुरूप आवंटन जारी होता है अब निर्माण एजेंसी या ठेकेदार उस डिजाईन उस गुणवत्ता के अनुरूप निर्माण नहीं कर रहा तो तकनीकि अधिकारी की जिम्मेदारी बन जाती है कि उस कार्य का मूल्यांकन ईमानदारी से हो लेकिन ऐसा होता नहीं। तकनीकि अधिकारी मोटा कमीशन लेकर गुणवत्ता के साथ समझौता कर लेते हैं और घटिया काम को अच्छा बताकर मूल्यांकन कर देते हैं। ऐसी स्थिति में यदि इन तकनीकि अधिकारियों को दण्डित करना प्रारंभ कर दिया जाये और इनसे ही रकम की वसूली की जाये तब शायद ये ईमानदारी से मूल्यांकन करने मजबूर होंगे।

80 फीसदी निर्माण सामग्री का उपयोग सिर्फ हो रहा कागजों पर

आर.ई.एस निर्माण एजेंसी पर गंभीर आरोप

* ठेकेदारों के साथ मिलकर अधिकारी लगा रहे शासन को चूना।

निर्माण कार्यों की सूची

निर्माण एजेंसी आरईएस पर विभिन्न आरोप

आरईएस विभाग के अंतर्गत पूरे जिले में अरबो रूपये के काम हो रहे हैं लेकिन निर्माण कार्यों में जितना पैसा खर्च होता है और जितना काम हो रहा है वह आसपास रह रहा सामान्य सा ग्रामीण व्यक्ति बता देगा 50 से 60 लाख रूपये की लागत से बनती सड़क निर्माण स्थल पर मुश्किल से 10 से 20 लाख रूपये की निर्माण सामग्री डाली जाती है। भवनों के निर्माण की स्थिति देख लें तो पता ही नहीं चलता कि इतनी बड़ी राशि आखिर खर्च कहां कर दी गई। आज ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामान्य रूप से सभी सुविधाओं से युक्त मकान निर्माण हो रहे हैं इन लोगों को अच्छी तरह से मालूम होतो है कि नींव से लेकर सजावट तक कहां कितना पैसा खर्च होता है लेकिन वे जब सरकारी निर्माण कार्य को देखते हैं तो आश्चर्य में पड़ जाते हैं कि वही लागत इन निर्माण कार्यो में 5 से 10 गुना हो जाती है आखिर ऐसा कैसें होता है।

आरईएस निर्माण एजेंसी पर लगातार आरोप लगते रहे हैं लेकिन जिला प्रशासन द्वारा कभी भी गंभीरता से जांच नहीं कराई गई और यही कारण है कि मैदानी स्तर से लेकर इस एजेंसी के उच्चाधिकारी तक बेखौफ होकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं और प्रशासन भी इन्हीं भरपूर अवसर उपलब्ध करा रहा है।

अब इसी विभाग के एक तकनीकि अधिकारी है जिन्हें जनपद में उपयंत्री के प्रभार में रखा गया है इन्हीं अधिकारी को आरईएस में अनुविभागीय अधिकारी के रूप में काम देखने की जिम्मेदारी दी गई है और इसके साथ ही यही अधिकारी सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग में प्रभारी तकनीकि अधिकारी के रूप में भी कार्य कर रहा है।

जनपद पंचायत, आरईएस, जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत कई सौ करोड़ के काम प्रगतिरत हैं और इन्हीं कार्यो की गुणवत्ता कार्य की डिजाईन और कार्य की प्रगति इसी तकनीकि अधिकारी के कार्य क्षेत्र में आती है अब जबकि निर्माण कार्यो में लगातार प्रश्नचिन्ह लगते रहे हैं तो समझा जा सकता है कि गुणवत्ता के साथ किस तरह समझौता किया जा रहा होगा और कमीशन किस स्तर का होगा।

सरपंचों ने सौंपा ज्ञापन उपयंत्री को हटाने के लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के सेक्टर चिरईडोंगरी के उपयंत्री श्रीमती उपासना बघेल को सेक्टर चिरईंगिरी से हटाने की मांग सरपंचों के द्वारा मांग की जा रही है इस उपयंत्री के पास 10 से 12 पंचायतें हैं जिसमें कुम्मा बम्हनी परतला मझगांव अमदरा गुजरसानी भावल कोडरा चिरई डोंगरी खैरी पडरिया नारायणगंज आदि पंचायतें इनके पास हैं जिसके लिए उन्होंने मुख्य कार्यपालिका अधिकारी को ज्ञापन सोपा सरपंचों को शिकायत है कि उपयंत्री द्वारा सरपंचों को परेशान किया जा रहा है एवं उन्हें प्रताड़ित किया जाता है ऐसी कई अनियमितताएं सामने आ रही हैं उन्होंने लिखित शिकायत की है कि प्रत्येक पंचायत में 10 से 12 एमबी पुस्तकों का संग्रह कर मूल्यांकन को पेंडिंग रखा जा रहा है मूल्यांकन में स्टीमेट की राशि के अनुरूप 5 से 10 प्रतिशत के राशि वसूली के बिना मूल्यांकन नहीं किया जाता है उक्त उपयंत्री द्वारा जनपद अध्यक्ष जनपद उपाध्यक्ष एवं जनपद सदस्य और अधिकारियों के नाम से कमीशन की राशि वसूली की जाती है उपयंत्री द्वारा नगद राशि मांगने के अलावा अपने किसी स्वयं के नजदीकी फॉर्म के नाम से बिल लगाकर राशि वसूल की जाती है उपयंत्री द्वारा नगद राशि न देने पर कितनी पंचायत की एमबी फाइल जानबूझकर गुम हो जाती हैं जिसके कारण भुगतान करने में पंचायत को परेशानी का सामना करना पड़ता है सरपंचों का कहना है की तत्काल इस सेक्टर से उपयंत्री उपासना बघेल को हटाया जाए जिसके कारण सरपंचों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है अगर शीघ्र ही यहां से उपयंत्री को नहीं हटाया जाता तो हम सभी सरपंच जनपद कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करने में मजबूर रहेंगे जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, जगह-जगह हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

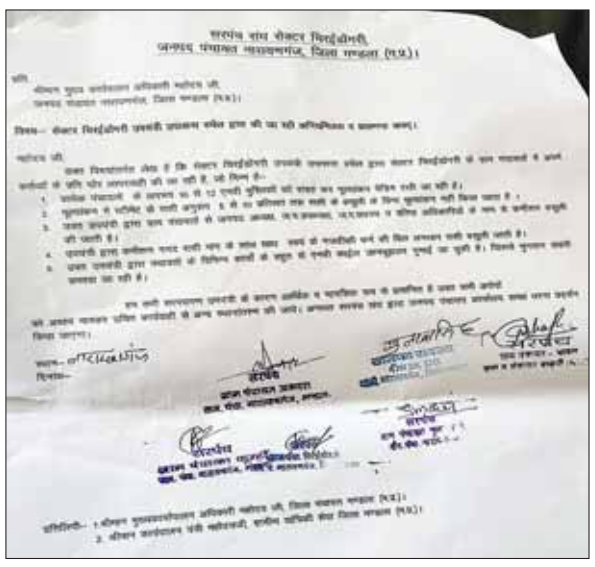

24 जुलाई को मंडला में भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा भव्यता से निकाली गई। अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ(इस्कॉन) के द्वारा आयोजित इस रथ यात्रा में सैकड़ो की संख्या में धर्मप्रेमियों ने शामिल होकर भगवान जगन्नाथ स्वामी का रथ खींचा और नगर भ्रमण कराया। रथ यात्रा के पूर्व सराफा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान जगन्नाथ भगवान बलदेव, बहन सुभद्रा की विधि विधान से स्थापना की गई और यहां पर महाआरती के साथ भगवान जगन्नाथ स्वामी को 56 भोग अर्पण किए गए। मातृशक्तियों ने विभिन्न प्रकार के पकवान मिष्ठान तैयार किए और भगवान जगन्नाथ स्वामी को अर्पित किए। इस दौरान हरे कृष्णा राधे कृष्णा के भजन के साथ धर्मप्रेमियों ने भगवान जगन्नाथ स्वामी से अपने दुख हरने की कामना मांगी और भगवान जगन्नाथ स्वामी को रथ में विराजमान कराया गया। प्रेम अवतार दास स्वामी जी ने विधि विधान से पूजन करते हुए महाआरती की वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, वरिष्ठ समाजसेवी गणेश जसवानी, सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता विनय मिश्रा और सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांसकार, उमाशंकर गुड्डू सिंधिया ने नारियल कपूर से पूजन कर नालियल फोडक़र रथ की डोर खेंची जैसे ही रथ आगे बढ़ा तो पुष्पवर्षा के साथ रिमझिम फूहार से भक्तीमय वातावरण बना और जय जगन्नाथ के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। रथ यात्रा उदय चौंक बड़ चौराहा, चिलमन चौंक, बस स्टैंड, लालीपुर, बिंझिया, नेहरू स्मारक, बैगाबैगी चौक से कलेक्ट्रेट होते हुए कार्यक्रम स्थल इस्कॉन सेंटर जगन्नाथ हाई स्कूल के सामने पहुंची जहां पर पूजन पाठ के साथ महाप्रसादी का वितरण हुआ। रथ महोत्सव में नगर के विभिन्न स्थानो में सामाजिक संगठनों के द्वारा स्वागत किया गया और धर्मप्रेमियो ने भगवान जगन्नाथ स्वामी की जगह-जगह आरती करते हुए जयघोष के साथ जय जगन्नाथ के नारे लगाए। इस्कॉन उज्जैन के चेयरमैन एवं दीक्षा गुरु पूज्य श्रीमद भक्तिप्रेम स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में इस वर्ष मध्यप्रदेश के लगभग 70 स्थानों पर भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का आयोजन किया गया है। प्रेम अवतार दास स्वामी जी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णाभावनामृत संघ इस्कॉन के तत्वाधान में आयोजित की गई है।

बिछिया नगर परिषद में राजेश मार्को ने संभला मुख्य नगर पालिका अधिकारी का पद भार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

नगर परिषद बिछिया में शुक्रवार को राजेश मार्को ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ परिचयात्मक बैठक कर नगर क्षेत्र के विकास कार्यों, स्वच्छता व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की।

नवनियुक्त सीएमओ मार्को ने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा तथा पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, नाली निर्माण सहित मूलभूत सुविधाओं के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गति दी जाएगी। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के निर्देश भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए।

उन्होंने नगर परिषद के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। नगर परिषद कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक के साथ संवेदनशील व्यवहार और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

पदभार ग्रहण के अवसर पर नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री राजेश मार्को का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान परिषद के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निरीक्षण | **सीएचसी, उत्कृष्ट विद्यालय एवं एसडीएम कार्यालय का भी निरीक्षण**

निर्माण कार्यों में लापरवाही पर नाराज हुये कलेक्टर

*** कलेक्टर ने किया निवास क्षेत्र का भ्रमण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने निवास क्षेत्र के विभिन्न शासकीय कार्यालयों एवं संस्थानों का निरीक्षण कर विकास कार्यों तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, शैक्षणिक गतिविधियों, पंचायतों की प्रगति एवं राजस्व मामलों की विस्तार से जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने ग्राम झालपानी में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में भवन निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई तथा वर्ष 2021-22 में स्वीकृत होने के बावजूद कार्य अब तक पूर्ण नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने एसडीएम को संबंधित सीडीपीओ एवं ग्राम सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता एवं समयसीमा में पूर्ण कराने के लिए कहा।

रिकार्ड में गड़बड़ी पर फार्मासिस्ट को नोटिस

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दवा भंडार एवं अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में दवाओं के वास्तविक स्टॉक एवं रिकॉर्ड में अंतर पाए जाने पर उन्होंने स्टोर फार्मासिस्ट को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही दवाओं के स्टॉक एवं अभिलेखों का नियमित मिलान करने, रिकॉर्ड अद्यतन रखने तथा दवा प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया।

इसके पश्चात उन्होंने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, निवास का निरीक्षण किया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीलांजना दुबे ने बताया कि विद्यालय में प्रोजेक्ट संकल्प के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से संवाद कर प्रोजेक्ट संकल्प के संबंध में उनका फीडबैक लिया और उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन एवं मेहनत से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।

इसके बाद कलेक्टर ने जनपद पंचायत निवास का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन कर पंचायतों में विधायक निधि से संचालित कार्यों की प्रगति तथा पंचायतों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद को नियमित रूप से स्वयं क्षेत्र का भ्रमण करने, विकास कार्यों की सतत निगरानी रखने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री धोटे ने एसडीएम कार्यालय, निवास का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यायालयीन एवं अन्य राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर उनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही कार्यालयीन अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए राजस्व कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण करें और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें।

सांदीपनि स्कूल के छात्रों ने हाईवे पर किया चक्काजाम

*** छात्रावास में मेनू के हिसाब से खाना नहीं मिलता, प्राचार्य को हटाया जाए**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले के कालपी स्थित सांदीपनि स्कूल के छात्रों ने शुक्रवार को प्राचार्या संगीता श्रीवास्तव को हटाने की मांग को लेकर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार आलोक सोनी, थाना प्रभारी अनिता कुडापे और बीईओ ए.के. दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बच्चों को समझाकर जाम खत्म कराया।

छात्रों का आरोप है कि उन्हें स्कूल में बिना वजह प्रताड़ित किया जाता है और छात्रावास में मेनू के हिसाब से खाना नहीं दिया जाता। शुक्रवार को भी उन्हें सजा दी गई और टीसी काटकर घर भेजने की धमकी दी गई, जिससे परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया। छात्रों ने साफ कहा है कि अगर प्राचार्या को नहीं हटाया गया तो वे आगे और बड़ा आंदोलन करेंगे।

घटना की खबर पाकर भाजपा मंडल अध्यक्ष डूमारी लाल कुम्हरे और अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्रों की बात सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते से फोन पर कराई, जिन्होंने समस्याओं को जल्द सुलझाने का भरोसा दिया।

उधर, जनजातीय कार्य विभाग (एसी ट्राइबल) के सहायक आयुक्त डॉ. अरुण कुमार शुक्ला ने बताया कि बीईओ को जांच के लिए भेजा गया है और बच्चों की शिकायतों पर जल्द उचित कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

घर के पास शराब पीने से मना किये जाने पर की मारपीट

गाडरवारा। शराब खोरी करने वालों के हौसले इतने बुलंद होते चले जा रहे है कि वही कही भी बैठकर शराब पीने के साथ साथ आंतक मचाने से नही चूकते है। यदि उनकी मनमानी को लेकर किसी द्वारा रोकने का प्रयास किया जाता है तो मारपीट करने पर उतारू हो जाते है। कुछ इसी प्रकार का मामला नगर के माता वार्ड में देखने मिला है जहां पर घर के पास शराब पीने से इंकार किये जाने पर मारपीट कर दी। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार नगर के माता वार्ड निवासी बाबू लाल पिता देवकरन कहार द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मुहल्ले का ही रहने वाला बाबी कहार आये दिन घर के पास बैठकर शराब पीता है और यहां पर गंदी गंदी गालिया बकता है। बीते हुये दिवस जब प्रार्थी द्वारा उसे शराब पीने से मना किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

हाथ के चूरा से मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौड़िया निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने साथी सौरभ यादव के साथ दुकान से राजश्री लेकर आया रहा था तो रास्ते में गांव का ही रोहित महोबिया मिला और बगैर किसी कारण के गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा अपने हाथ में पहने हुये लोहे के चूरा से मारपीट कर चोटे पहुंचाई। लड़ाई होते हुये देख जब प्रार्थी के दोस्त सौरभ द्वारा बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपी द्वारा उसके साथ भी उसी चूना से बार करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

फेक्ट्री में काम नहीं दिलाने की बात पर हुआ विवाद

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पिपरिया कला निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने किसी काम से गाडरवारा से मडगुला जा रहा था उसी दौरान खिरिया तिरहा के पास गांव का अंकू ठाकुर मिला और बोला की तू ने मुझे फेक्ट्री में काम नही दिलवाया है। इसी बात को लेकर आरोपी द्वारा प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बडे भाई ने अपने बहनोई के साथ मिलकर छोटे भाई से की मारपीट

गाडरवारा। जब कोई मनमानी करने पर उतारू रहता है और यदि परिवार का सदस्य उसे रोकने का प्रयास करता है तो निश्चित तौर से वह उसे दुश्मन के समान प्रतीत होने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव में उस समय देखने मिली है। घटना के संबंध में प्राथी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुयेग बताया है कि मेरे बड़े भाई उमाकांत विश्वकर्मा एवं बहनोई राजेश विश्वकर्मा दोनो घर की छत पर बैठकर शराब पी रहे थे जिन्हे मैने कहा की कल माँ की रसोई है तुम लोग शराब मत पियो इसी बात भाई उमाकातं विश्वकर्मा तथा बहनोई राजेश विश्वकर्मा दोनो ने एक राय होकर प्रार्थी के साथ गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। जब प्रार्थी की पत्नी बच बचाव करने के लिये आई तो आरोपियों द्वारा उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी भाई व बहनोई के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

सच्चाई को हरिभूमि द्वारा एक माह पूर्व प्रमुखता से किया था उजागर, जिम्मेदारों की अनदेखी बारिश के दिनों में पड़ सकती है भारी...?

राज्य स्तरीय मुख्य मार्ग की सड़क डमरूघाटी के सामने अंदर ही अंदर लगातार हो रही है खोखली

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा इस समय गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण कराते हुए हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुए लोगों को पक्की सड़कों की सुविधाएं प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ रही है तो दूसरी ओर गाडरवारा क्षेत्र में भी लगातार विकास की गंगा बहते हुये देखे जाने के बाद भी क्षेत्र के पुलों की दुर्दशा को नजर अंदाज करना निश्चित तौर से यह सच्चाई सबालों को जन्म देने में कोई कसर नही छोड़ रही है..? मगर दूसरी ओर लगातार खस्ता हाल की स्थिति में पहुंच रहे पुलों से लेकर सड़को की अनदेखी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रशासन व क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का परिणाम है कि गाडरवारा से कौड़िया की ओर जाने वाले शक्कर नदी पुल की जिन्दगी इस समय पूर्ण रूप से बेन्टीनेटर पर दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि प्रशासन द्वारा इस पुल की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देना सरकार के संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है..? ज्ञात हो कि गाडरवारा शहर को सीधे जबलपुर तथा दूसरी ओर होशंगाबाद होते हुये प्रदेश की राजधानी भोपाल से जोड़ने वाले राज्य स्तर के मार्ग पर बना हुआ यह शक्कर नदी पुल प्रदेश के स्टैट हाईवे में दर्ज होने के बाद भी इस मार्ग की अनदेखी निश्चित तौर से जिम्मेदार नेताओं से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों की कार्य शैली पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है। गाडरवारा शक्कर नदी पुल की स्थिति इन दिनों लगातार खराब होती चली जा रही है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि अब इस पुल से वाहन निकालने में भी आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी ओर पुल के पास बनी हुई एप्रोज रोड जिस तरह से अंदर ही अंदर खोखली होते हुये दिखाई दे रही है उसकी यदि इस तरह की अनदेखी होती रही तो आने वाले बारिश के दिनों में यह स्टैट हाईवे बंद होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? बताया जाता है कि शक्कर नदी पुल के समीप यानि की डमरूघाटी की ओर जाने वाले मार्ग के मोड पर स्टैट हाईवे मार्ग जिस तरह अंदर ही अंदर खोखला हो रहा है। उसकी सच्चाई इस तरह देखने मिल रही है कि कुछ माह पहले एक छोटा से गड्ढा ही दिखाई दे रहा था। मगर अब वह गड्ढा सुरसा की तरह बदन बढ़ाते हुये एक बड़ा रूप धारण कर चुका है। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा एक माह पहले यानि की अपने 25 जून के अंक में प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था। मगर इसके बाद भी जिम्मेदारों द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि इस गड्ढे ने बड़ा रूप धारण करते हुये गाडरवारा से करेली की ओर जाने वाले प्रदेश स्तर के मार्ग को काफी हद तक खोखला कर दिया गया है। यदि लगातार बारिश का दोर जा रही तो निश्चित तौर से यह मार्ग धसकने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...? इस प्रकार से स्टैट हाईवे के अंदर ही अंदर खोखले होने की इस सच्चाई को संबंधित विभाग द्वारा इस तरह नजर अंदाज किया किया जा रहा है जो किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूकेगा। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो गाडरवारा से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले यह स्टैट हाईवे मार्ग बंद होने से नही चूक पायेगा..? ज्ञात हो कि बीते हुये साल भी इस मार्ग पर करेली के समीप एक पुलिया की अनदेखी का परिणाम था कि बारिश के दिनों में एक छोटे से गड्ढे ने जब बड़ा रूप धारण करते हुये इस स्टैट हाईवे मार्ग का बंद कर दिया गया था तब कही संबंधित विभाग की निंद्रा भंग हुई थी। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई शक्कर नदी पुल के समीप स्टैट हाईवे मार्ग के अंदर ही अंदर खोखली हो रही सच्चाई को देखते हुये प्रतीत होने से नही चूक पा रही है...? वही दूसरी ओर शक्कर नदी पुल के ऊपर निकले हुये गड्ढे भी बारिश के दिनों में भारी पड़ने से नही चूक पायेगे। ज्ञात हो कि इस पुल का निर्माण आज से लगभग 52 वर्ष पूर्व उस समय 28 लाख रूपया की लागत से हुआ था, जिसका लोकापर्ण 28 अप्रेल 1972 को प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश चंद्र सेठी द्वारा किया गया था। यदि उस समय शासन द्वारा लगाई गई राशि का वर्तमान स्थिति की लागत पर जोड किया जावे तो कई करोड़ो में मना जावेगा। इस प्रकार शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी पर बने हुए इस पुल का क्षेत्र की जनता बीते हुए लगभग 52 वर्षो से भी अधिक समय से उपयोग करते हुए खुशहाल बनी हुई है। मगर क्षेत्र में लगातार लग रहे बड़े बड़े उद्योगों सहित लगातार बढ़ रहे सड़कों पर यातायात के दवाब के बाद इस पुल से प्रति दिन हजारों की संख्या में वाहन निकलते है जिसमें निकलने वाले वाहनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक इस प्रकार के भारी वाहन भी निकल रहे है जिनकी शायद पुल के निर्माण के समय कल्पना भी नही की गई होगी तब कभी इतने बड़े वाहनों का भी इस पुल से निकलना होगा? क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे यातायात के दवाब के चलते जहां पुल की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। वही दूसरी ओर पुल की ओर प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम तो वर्तमान में इस तरह देखने मिल रहा है कि पुल के ऊपर निकले हुये गड्ढो से सीधे शक्कर नदी में पड़ी हुई रेत के दर्शन तो करा ही रहे है साथ ही साथ वाहन चालकों द्वारा पुल के ऊपर से वाहन निकालने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है...? इस प्रकार से प्रशासन की अनदेखी के चलते जहां इस पुल की स्थिति बेन्टीनेटर पर पहुंचने के समान महसूस होने लगी है और यदि समय रहते हुये इस पुल के उचित सुधार की ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से यहां पर बड़ा हादसा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

चीचली जनपद अध्यक्ष ने मुख्य कार्यापालन अधिकारी के खिलाफ कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमति पटैल के मार्ग दर्शन में सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों की मनमानी इस कदर देखने मिल रही है कि वह अपनी संस्थाओं के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की बात सुनने से भी इंकार करते हुये नजर आने से नही चूक रहे है। हाल यह बना हुआ है कि प्रशासन तंत्र पूर्णरूप से निरकुश होकर मनमानी पर उतारू दिखाई दे रहा है और विपक्ष पार्टी के निर्वाचित जन प्रतिनिधि अपने आपको असहाय महसूस करने से नही चूक रहे है..? इसी का परिणाम है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को इस तरह के अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुये धरना देते हुये अधिकारियों के मनमानी पूर्ण रवैये की सच्चाई को उजागर करते हुये सच्चाई बडे नेताओं तक पहुंचाने का प्रयास किये जाने के बाद भी उनकी कार्यशैली में कुछ सुधार दिखाई नही दे रहा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली में देखने मिल रही है जहां पर जनपद अध्यक्ष श्रीमति राधा अहिरवार जनपद के मुख्य कार्य पालन अधिकारी के खिलाफ बीते हुये लगभग 11 दिनों से धरना देने के बाद भी उनकी सुनवाई न होना निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि जनपद अध्यक्ष का आरोप है कि जनपद अधिकारी द्वारा कथित तौर से अनियमितताओं एवं किये जा रहे भ्रष्टाचार का विरोध करते हुये धरना पर बैठी हुई है। जब उनके धरना को 11 दिन का समय बीत जाने के बाद भी किसी प्रकार से कार्यवाही नही हुई तो बीते हुये शुक्रवार को कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष सुनीता पटैल के नेतृत्व में जनपद चीचली क्षेत्र में अधिकारी द्वारा की गई गफलत बाजी की निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग को लेकर एसडीएम, गाडरवारा को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष सतीस सेनी, चीचली ब्लॉक अध्यक्ष गिरजा शंकर पगुआ, साईंखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष लखन पटेल, चारपाठा ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति अनिता जायसवाल के आलवा जिला पंचायत सदस्य मोना कौरव, छोटेराजा, पूर्व जिला सदस्य प्रदीप पटेल, महिला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती संगीता जायसवाल, जनपद चीचली उपाध्यक्ष मनीष कौरव, जनपद अध्यक्ष चवारपाठा शोभराम ठाकुर, जनपद सदस्य राजेंद्र कौरव,जिला महिला उत्पीडन जिला अध्यक्ष श्रीमति प्रियंका चांदनी दीक्षित सहित नगर पार्षद श्रीमति सीता चौकसे, जिला उपाध्यक्ष डॉ देवेंद्र, महेंद्र पटेल, रूपेश राय, अजेंद्र राठौर, जिला महासचिव अनिल साहू, अबधेश रूसिया, प्रभात पटेल, श्रीमति उमा ठाकुर, मुकेश गुप्ता, हरीसिंग अहिरवार, शैलेन्द्र पटेल, विधानसभा अध्यक्ष शाश्वत राय, सिान कांग्रेस से संजय कौरव, सत्यनारायण मुकद्दम, के के पटेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक पटेल, मंडलम अध्यक्ष हंसु राय, संदीप तिवारी, बलबंत कौरव, नीलेश दिमोले, सरदार सिंह राजपूत,भगवानदास गुर्जर,अशोक मंगलानी, भूपेंद्र कौरव, हजारी मामार, यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष यश राय, शिवम चौकसे, सत्यप्रकाश कौरव, मनीष कौरव, आयुष जेन, सौरभ जेन, नेतराम श्रीवास सविता सेन, पवन चौधरी समेत कांग्रेस के के अनेक पदाधिकारि तथा कार्यकर्ता मौजूद थें।

देव शयनी एकादशी के मौके पर आज लोग अपने घरों में करेगे भगवान का पूजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वैसे तो देखा जावे हिन्दू धर्म में हर माह हर तिथि का एक विशेष ही महत्व रहने के कारण विधि विधान के साथ पूजन किया जाता है। मगर आज शनिवार को सभी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रमों पर विराम लगाने वाली देवशयनी एकादशी निश्चित तौर से अलग ही महत्व रखती है। शास्त्रों के अनुसार बताया जाता है कि आषाढ़ शुल्क पक्ष में पड़ने वाली इस एकादशी के दिन से भगवान विष्णु जी चार महीनों के लिये अपनी योग निद्रा में चले जाते है। इसी के चलते इन महीनों में किसी भी तरह के मांगलिक कार्य नही किये जाते है। इसके उपरांत चार माह बाद जब दीपावली के बाद पड़ने वाली प्रबोधिनी एकादशी के बाद भगवान अपनी निद्रा से बाहर आते है तभी मांगलिक कार्यक्रमों की शुरूआत होती है। इस एकादशी को हरिशयनी एकादशी भी कहा जाता है। इसी दिन से चतुरमास का प्रारंभ भी होता है। इस एकादशी के मौके पर आज लोग अपने अपने घरों में भगवान की अलग अलग तरीके से पूजन करते है, जिसमें प्रमुख रूप से कौरव समाज द्वारा इस एकादशी के मौके पर अनेकों वर्षो से भगवान की पूजन के लिये फरा लपसी(यानि की पानी की पुड़ी फरा) बनाते हुये भगवान की पूजन करते है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में इस एकादशी को फरऊ ग्यारस भी कहा जाता है..? यह बात कहा तक सत्य है इसका कोई प्रमाण तो नही है। मगर कुरूवंश के बुजुर्गो के बताया जाता है कि जब महाभारत का युद्व चल रहा था उस दौरान इस दिवस भगवान की पूजन कौरव समाज द्वारा इन फरा व लपसी यानि की पानी की पुरी के द्वारा की गई थी तभी से यह परम्परा चली आ रही है, जिसके चलते जहां कौरव समाजिक बंधुओं द्वारा देवशयनी एकादशी के मौके पर अपने अपने घरों में फरा लपसी के माध्यम से भगवान सहित अपने कुल देवताओं का पूजन करेंगे। वही अन्य लोगों द्वारा भी अलग अलग तरीके से भगवान का पूजन करते हुये आराधना करेंगे।

दुकानें बढ़ीं, पार्किंग नहीं: राहगीरों के लिए मुसीबत बनी शहर की सड़कें, जिम्मेदार बेखबर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में देखा जावे तो जिस तरह से बड़ी बड़ी दुकानों से लेकर प्रतिष्ठान खुलते जा रही है। वही प्रतिष्ठान संचालन अपनी दुकानों को नई नबेली दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ते है। मगर अपनी दुकानों पर पहुंचने वाले ग्राहकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के प्रबंध नही किये जाने के चलते सड़क इस समय वाहन स्टेन्ड के रूप में दिखाई देने से नही चूक रही है। यह सच्चाई नगर के पलोटन गंज से लेकर अन्य मार्गो पर आसानी से देखी जा सकती है। जहां नगर में आलीशान होटलों से लेकर स्थापित हो रहे प्रतिष्ठानों की शासन प्रशासन धड़ल्ले से अनुमति तो प्रदान कर रहा है। मगर इस बात की ओर ध्यान नही दे रहा है कि आखिरकार इस होटलों व प्रतिष्ठानों में पहुंचने वाले ग्राहकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के क्या प्रबंध किये गये है। जबकि नियम के अनुसार जब कोई बड़ी दुकान हो या फिर होटल खोलने के

समय उसे अपने ग्राहको के लिये पार्किंग व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी होती है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाने के चलते दुकानदारों के हौसले सातवे आसमान में दिखाई दे रहे है और आम लोगों को परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। नगर के श्याम टाकील से लेकर शिवालय चौक तक बीते हुये एक साल के अंदर अनेक बड़ा बड़ा दुकानों सांहत अन्य प्रांतष्ठान स्थापित होते हुये देखे गये है। मगर यहां पर किसी तरह से वाहनों की पार्किंग व्यवस्था नही होने के चलते श्याम टाकीज मार्ग की मुख्य सड़क सुबह से ही वाहन स्टेन्ड के समान दिखाई देने से नही चूकती है। इस हाल में आम लोगों को आने जाने में परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाना सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है। इस मार्ग की दुकानों के सामने जिसकी मर्जी जैसी होती है वह अपना वाहन खड़ा करके दुकान के अंदर चला जाता है। यदि कोई व्यक्ति निकलते समय परेशान होकर वाहन मालिकों की मनमानी पर कुछ बोलता है तो उसके साथ मारपीट करने में पीछे नही रहते है। आमजन द्वारा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की जा रही है कि यहां पर लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था में सुधार की पहल की जावे।

लगातार हो रही बारिश के बीच गांवों में कच्चें मकानों को सुधारने में जुटे हुये ग्रामीण, बाजारों में पन्नी की बिक्री में हुआ इजाफा

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना चलाते हुये गरीबों को पक्के मकान बनाकर दिये जा रहे है। मगर यदि इस योजना की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो इस योजना में हो रहे फर्जीवाडे के चलते जहां इसके वास्तविक हकदार जहां लाभ लेने के लिये चक्कर काटते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर अनेक प्रभावशाली लोग जिनके पहले से ही पक्के मकान

होने के साथ साथ हवेली बनी हुई है और वह अधिकारियों की कृपा दृष्टि के चलते अपात्र होते हुये भी इस योजना का लाभ लेते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति में यदि ग्रामीण क्षेत्रों का रूख किया जावे तो अनेक गरीब इस तरह से मिल सकते है जो इस योजना के सही हकदार होने के बाद भी वह अपने परिवार के साथ कच्चे मकानों में रहने के लिये मजबूर है..? जब बारिश का मौसम आता है तो वह अपने खपरेल मकानों के खपरे सुधारते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर खपरों की अभाव में अपने कच्चें मकानों पर पन्नी लगाकर बारिश से वचाच में जुटे हुये देखे जाते है। इसी के चलते इस समय चल रहे बारिश के दौर में जहां बाजारों में त्रिपाल पन्नी की विक्री में इजाफा हो गया है तो दूसरी ओर अनेक गांवों में टूटे हुये खपरों को सुधारवाने के लिये मजदूरों को खोजते हुये देखे जा रहे है। मगर देशी खपरों के मकानों को सुधारने की कला यह किसी में नही होती है। क्योंकि घर के छप्पर के ऊपर चढ़कर खपरे छाने वाले मिस्त्री गांवों में सिर्फ पुराने बुजुर्ग ही जानते है। इस हाल में अब गरीबों के कच्चे मकानों के खपरे सुधारने के लिये जहां मिस्त्री नही मिल पा रहे है तो दूसरी ओर केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रही गफलतबाजी के चलते गरीबों के पक्के आवास भी नही बन पा रहे है..?

चिरहकला स्कूल में हुआ 138 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम चिरहकला के शासकीय नवीन माध्यमिक विद्यालय में बीते हुये शुक्रवार को शासन के आदेश पर स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस शिविर में साईखेड़ा स्वास्थ्य विभाग की टीम से डाक्टर नीरज गुप्ता द्वारा कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक के 138 छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वही इस दौरान सभी विद्यार्थियों का वजन लिया गया, ऊंचाई मापन , नेत्र परीक्षण, मौसमी बीमारियों की जांच सहित बच्चों को साफ सफाई के बारे में विस्तार से समझाया गया एवं आवश्यकता अनुसार छात्र-छात्राओं को औषधि प्रदान की गई। इस अवसर पर शाला के प्रधान पाठक धनराज सिंह धानक, रूपी जैन, दीप्ति जाटव, सचिन लहरिया, ममता चौहान, दयावती गुप्ता, राहुल कोरी, आरती मेहरा एवं भास्कर कटारे के अलावा शाला के सभी छात्र एमडीएम की रसोइया पिंकी प्रजापति, सुषमा धानक, ज्योति प्रजापति, सुनीता ठाकुर,दीपा ठाकुर मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गाडरवारा
जिला - नरसिंहपुर (म.प्र.)
इश्तहार सूचना

भवन/प्लाट नामांतरण सूचना वर्ष 2026-27
क्रमांक/751/राजस्व शाखा/न.पा.प./2026
गाडरवारा, दिनांक 08/07/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निम्नांकित आवेदनों पर नामातंरण कार्यवाही की जाना है। इस हेतु आज दिनांक 08/07/2026 से 30 दिवस के अंदर आपत्तियों का आव्हान किया जाता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों एवं प्रमाण रहित अपत्तियाँ मान्य नही की जावेगी।

प्र.क्र. - 65/26-27
वार्ड का नाम- जवाहर वार्ड
मकान/ प्लाट - मकान
सम्पति हस्ता. का माध्यम- नोटरी हक त्याग बैनामा
हस्तांतरण कर्ता का नाम- मुकेश आ. नारायण प्रसाद सोनी
हस्तातरणी का नाम- गनेश प्रसाद आ. नारायण प्रसाद सोनी

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गाडरवारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
गाडरवारा जिला नरसिंहपुर म.प्र.
इश्तहार

रा.मा.क्र.166/अ-6 (अ)/वर्ष 2025-26
मौजा - सगरा

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चिरोंजी बाई पुत्री रामलाल कौरव, निवासी ग्राम इमालिया, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसमें मौजा सगरा, प.ह.नं. 78, रा.नि.मं. करपगांव, तहसील गाडरवारा स्थित भूमि ख.नं. 62/1 ख रकबा 0.609 हे. भूमि पर संशोधन क्रं. 01 आदेश दिनांक 07.11.2006 के अनुसार स्वयं का नाम दर्ज करने का निवेदन किया गया है। वर्तमान में उक्त भूमि पर ओंकारवाई बेवा रामलाल, चुन्नीलाल पिता रामलाल, वालाप्रसाद पिता रामलाल, लेखराम पिता रामलाल, भगवत पिता रामलाल, तोडल पिता रामलाल जाति लोधी पता ढ़ाड़िया गाडरवारा का नाम भूमिस्वामी के रूप में दर्ज है। उक्त आवेदन के संबंध में प्रकरण रा.मा.क्रं. 166/ अ-6 (अ) / वर्ष 2025-26 मौजा सगरा दर्ज किया जाकर कार्यवाही प्रचलनशील है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा / आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 04.08.2026 तक न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर म.प्र. में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि तक दावा/आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
गाडरवारा, जिला - नरसिंहपुर (म. प्र.)

खबर संक्षेप

राजस्व कार्यों में लापरवाही पर तीन पटवारियों को नोटिस

डिंडौरी। राजस्व कार्यों में लापरवाही बरतने पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डिंडौरी रामबाबू देवांगन ने तीन पटवारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। संबंधित पटवारियों को तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार नायब तहसीलदार समनापुर के प्रतिवेदन के आधार पर पटवारी दीपक मिश्रा, सियाराम सोलंकी एवं मिथुन धुर्वे को नोटिस जारी किया गया है। इन पर ROR e-KYC, फार्मर रजिस्ट्री सहित अन्य राजस्व कार्यों में अपेक्षित रुचि नहीं लेने का आरोप है। इससे संबंधित ग्रामों के राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं और किसानों से जुड़े जनहित के कार्यों के निष्पादन में बाधा उत्पन्न हो रही है।अनुविभागीय अधिकारी ने इसे शासकीय कार्यों के प्रति उदासीनता एवं घोर लापरवाही मानते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के तहत कदाचार की श्रेणी में माना है।नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो संबंधित पटवारियों के विरुद्ध संचयी प्रभाव से एक वेतनवृद्धि रोकने की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्राकृतिक आपदाओं से मृत तीन लोगों के परिजनों को चार-चार लाख की सहायता

डिंडौरी। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डिंडौरी रामबाबू देवांगन ने राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदाओं से हुई तीन मौतों के मामलों में मृतकों के निकटतम वारिसों के लिए चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। तीनों प्रकरणों में कुल 12 लाख रुपये की राहत राशि मंजूर की गई है।जारी आदेश के अनुसार ग्राम अझवार रैयत निवासी मालती बाई की 6 अगस्त 2023 को कनई नदी में डूबने से हुई मृत्यु के मामले में उनके पुत्र हिमांशु विश्वकर्मा को चार लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।इसी तरह ग्राम हथकटा निवासी फुलिया बाई की 25 मार्च 2026 को सर्पदंश से हुई मृत्यु के प्रकरण में उनके पति धरम सिंह को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के आदेश जारी किए गए हैं।वहीं ग्राम बिलासर निवासी धनेश प्रसाद की 30 सितंबर 2025 को आकाशीय बिजली गिरने से हुई मृत्यु के मामले में उनकी पत्नी मायाबाई के लिए चार लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने तीनों मामलों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार राहत सहायता स्वीकृत करने के आदेश जारी किए हैं।

बरसात में भी निर्बाध सेवाएं दें सकेंगे कर्मचारी, नगर परिषद बनगवां ने वितरित किए रेनकोट

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने वर्षा ऋतु में भी नगर की आवश्यक सेवाएं सुचारु रूप से संचालित रखने के उद्देश्य से परिषद के स्वच्छता मित्रों, प्लंबर, ट्रैक्टर चालकों, इलेक्ट्रीशियन तथा अन्य आवश्यक कार्यों में लगे कर्मचारियों को वाटरप्रूफ रेनकोट वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों को बारिश के दौरान सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में कार्य करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। रेनकोट वितरण कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका, नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह, जिला पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह, मंडल मीडिया प्रभारी पंकज कुमार शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, नगर परिषद के कर्मचारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने कर्मचारियों को रेनकोट वितरित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और कहा कि नगर की स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं को बनाए रखने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बारिश के मौसम में भी वे पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। रेनकोट प्राप्त करते ही कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी। कर्मचारियों ने नगर परिषद के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। अब वे तेज बारिश के दौरान भी बिना किसी असुविधा के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।,

जिला पंचायत सामान्य सभा में विकास कार्यों की समीक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और स्वच्छता सेवाओं में सुधार पर जोर

डिंडौरी।

जिला पंचायत सभाकक्ष में शुक्रवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में उपाध्यक्ष अंजू व्यौहार, जिला पंचायत सदस्य, जिले की सभी जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विभाग प्रमुख मौजूद रहे।

बैठक में सभी विभागों ने पिछली सामान्य सभा के निर्णयों पर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। विभाग प्रमुखों ने अपने-अपने विभागों की उपलब्धियों और विकास कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक सुझाव एवं निर्देश दिए।

सामान्य सभा में विकास कार्यों की गुणवत्ता और गति बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य एवं विद्युत विभाग को आम नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने तथा कार्यप्रणाली में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान VB-G RAM G योजना की जानकारी भी साझा की गई। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, व्यापक जनजागरूकता और प्रचार-प्रसार पर विस्तार से चर्चा हुई।जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते ने ग्राम पंचायतों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कचरा वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु जनप्रतिनिधियों से सहयोग एवं सक्रिय पहल करने की अपील की।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में मध्यप्रदेश शासन के "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं डॉ. सीमा डावर के मार्गदर्शन में किया गया।मुख्य वक्ता कैलाश प्रसाद लखेरा ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। गुटखा, पान मसाला, बीड़ी, सिगरेट, शराब तथा अन्य मादक पदार्थ व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ उसके परिवार, समाज और भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) प्रभारी डॉ. सीमा डावर ने कहा कि आधुनिक दौर में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग भी एक प्रकार की लत बनता जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करने, नियमित अध्ययन, योग, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ने तथा स्वस्थ और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकला, पोस्टर एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अंत में महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प

लिया और लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक महेंद्र कुमार मरकाम, आशीष कुमार मरावी, डॉ. सुनील काकोड़िया, दीपचंद गुप्ता, प्रदीप कुमार कहार, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, समीर धुर्वे, ओमकार वाटिया, कमलेश वास्पे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मरीज के उपचार में मिनरल वॉटर की बोतल के इस्तेमाल पर मेडिकल ऑफिसर को नोटिस

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जिला चिकित्सालय डिंडौरी में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. भरत कुमार संत को कर्तव्य निर्वहन में कथित लापरवाही एवं शासकीय सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया है।कलेक्टर कार्यालय से जारी नोटिस के अनुसार, जिला चिकित्सालय में भर्ती एक मरीज के उपचार के दौरान सामान्य सलाइन वाटर उपलब्ध होने के बावजूद पैक्ड मिनरल वॉटर की बोतल का उपयोग किए जाने के मामले की प्रारंभिक जांच कराई गई। जांच में मेडिकल ऑफिसर के कथन, एमएलसी रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों के परीक्षण के आधार पर प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने की बात कही गई है।नोटिस के अनुसार, 22 जुलाई 2026 को वार्ड क्रमांक-5 निवासी 18 वर्षीय सत्यम यादव को चूहा मार दवा के सेवन के बाद जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि उपचार के दौरान वरिष्ठ चिकित्सक से परामर्श लिए बिना पैक्ड मिनरल वॉटर का उपयोग किया गया, जबकि अस्पताल में सामान्य सलाइन वाटर उपलब्ध था। प्रशासन ने इसे स्थापित चिकित्सीय मानकों के विपरीत बताते हुए मरीज की सुरक्षा के लिए संभावित जोखिम पैदा करने वाला कृत्य माना है।कलेक्टर ने नोटिस में कहा है कि उक्त आचरण से विभाग की छवि प्रभावित हुई है तथा यह म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 का प्रथम दृष्टया उल्लंघन प्रतीत होता है। इसी आधार पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करते हुए मेडिकल ऑफिसर से कारण बताने को कहा गया है।डॉ. भरत कुमार संत को निर्देश दिया गया है कि वे 3 अगस्त 2026 तक अपना लिखित जवाब कलेक्टर कार्यालय, जिला डिंडौरी में प्रस्तुत करें। निर्धारित समय सीमा में जवाब प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

कोतमा। जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर ने शुक्रवार को शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं, छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों तथा प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में गांधी चौक, कोतमा में धरना-प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल, जनपद सदस्य रेखा राठौर, जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, पंचायती राज संगठन की जिला अध्यक्ष संध्या वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष मिश्रा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा तथा विधानसभा अध्यक्ष मो. नदीम ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन युवा नेता रफी अहमद ने किया। धरना-प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कोतमा को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार देशभर में छात्रों, विपक्षी नेताओं एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ हुई कथित घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विपरीत हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसदों, वरिष्ठ नेताओं एवं छात्रों के साथ कथित दमनात्मक कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। कांग्रेस का कहना है कि छात्र अपने भविष्य से जुड़े मुद्दों पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे, लेकिन उनके साथ किया गया व्यवहार निंदनीय एवं अस्वीकार्य है। कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को बलपूर्वक दबाना संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात है। इससे युवाओं में भय और असुरक्षा का माहौल बनता है तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास कमजोर होता है। ज्ञापन के माध्यम से जिला कांग्रेस ने चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का तत्काल इस्तीफा अथवा उन्हें पद से हटाने, प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितताओं एवं व्यवस्थागत विफलताओं पर संसद में चर्चा कर दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई, नई दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने तथा जंतर-मंतर पर छात्राओं के साथ कथित अभद्रता एवं छात्रों पर लाठीचार्ज के जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग शामिल है। कार्यक्रम के अंत में जिला कांग्रेस ने राष्ट्रपति से लोकतंत्र की गरिमा, संविधान की मूल भावना तथा देश के युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप कर निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया। ज्ञापन का वाचन वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष मिश्रा ने किया।

स्कूल वैनों में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़

सात सीटर वैन में 20 से 25 बच्चों को भरकर किया जा रहा परिवहन

अनूपपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग की सख्ती के बावजूद जिले में कई निजी स्कूल वैन संचालक नियमों को दरकिनार कर मासूमों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। हाल ही में पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा स्कूल वाहनों की सघन जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों पर चालानी कार्रवाई की गई थी। उस दौरान बिना आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के चल रहे वाहनों पर जुर्माना लगाया गया और भविष्य में सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने की कड़ी चेतावनी भी दी गई थी। लेकिन अभियान समाप्त होते ही कई वाहन संचालक फिर से पुराने ढर्रे पर लौट आए हैं। जानकारी के अनुसार चचाई से स्कूल तथा दोपहर में स्कूल से वापस चचाई तक चलने वाली कुछ निजी वैनों में क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन किया जा रहा है। सात सीटर वैन में 20 से 25 बच्चों को ठूंस-ठूंसकर

पुलिस कार्रवाई के बाद फिर बेखौफ दौड़ रहे नियम विरुद्ध वाहन

हाईकोर्ट और शासन के सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी

बैठाया जा रहा है, जिससे किसी भी दुर्घटना की स्थिति में गंभीर जनहानि की आशंका बनी रहती है। बच्चों को सुरक्षित ढंग से बैठाने के बजाय अधिक से अधिक सवारियां भरकर आर्थिक लाभ कमाने पर जोर दिया जा रहा है।

अभिभावकों की आपत्ति भी बेअसर

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब अभिभावक अधिक बच्चों को बैठाने पर आपत्ति जताते हैं तो कुछ वाहन संचालक साफ कह देते हैं कि यदि व्यवस्था पसंद नहीं है तो वे स्वयं अपने बच्चों को स्कूल छोड़ें। स्कूलों में पर्याप्त अधिकृत वाहनों की व्यवस्था नहीं होने का लाभ उठाकर ऐसे संचालक मनमानी कर रहे हैं और अभिभावकों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। शिकायत के अनुसार जिन वाहनों से बच्चों का परिवहन किया जा रहा है, उनमें से कई का आरटीओ में पंजीयन व्यावसायिक (कमर्शियल) नहीं बल्कि निजी (प्राइवेट) श्रेणी में है। इसके बावजूद इनका उपयोग नियमित रूप से स्कूल वैन के रूप में किया जा रहा है, जो परिवहन नियमों का उल्लंघन माना जाता है।

सुरक्षा मानकों का नहीं हो रहा पालन

उच्च न्यायालय तथा शासन द्वारा स्कूल वाहनों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। अधिकांश वाहनों में पीला रंग, स्कूल वाहन का स्पष्ट उल्लेख, खिड़कियों पर सुरक्षा जाली, चालक का नाम एवं मोबाइल नंबर, प्रशिक्षित परिचालक अथवा महिला अटेंडेंट, प्राथमिक उपचार किट, वैध अग्निशामक यंत्र, स्पीड गवर्नर, सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस, विद्यार्थियों की सूची, अभिभावकों के संपर्क विवरण और निर्धारित क्षमता के अनुरूप बच्चों को बैठाने जैसी

अनिवार्य व्यवस्थाएं नहीं हैं। इससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्रवाई के बाद फिर लौट आई लापरवाही

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस की जांच के दौरान कुछ दिनों तक नियमों का पालन होता दिखाई दिया, लेकिन अभियान समाप्त होते ही स्थिति फिर पहले जैसी हो गई। कई वाहन संचालक बेखौफ होकर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि नियमित और लगातार जांच नहीं हुई तो ऐसी लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। अभिभावकों और नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग से मांग की है कि स्कूल वाहनों के विरुद्ध केवल औपचारिक अभियान चलाने के बजाय नियमित जांच की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के परमिट और पंजीयन की जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए तथा क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन करने वाले वाहनों को तत्काल जब्त किया जाए। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी स्थिति में समझौते का विषय नहीं हो सकती और इस मामले में संबंधित विभागों को लगातार निगरानी रखनी चाहिए।

नीट पेपर लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में अनूपपुर में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

अनूपपुर। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक के आरोपों तथा इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा कथित लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार को अनूपपुर जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्ताओं ने जिला एवं सत्र न्यायालय के मुख्य द्वार के सामने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। अधिवक्ताओं ने कहा कि देश के लाखों छात्र-छात्राओं ने कड़ी मेहनत के साथ नीट परीक्षा की तैयारी की थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों ने परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना था कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों का विश्वास शिक्षा व्यवस्था में बना रहे और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो।

प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की भावना के विपरीत है। उनका कहना था कि संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार देता है तथा इस अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रदर्शन में शामिल अधिवक्ताओं ने हाथों में संविधान की प्रतियां लेकर लोकतंत्र, न्याय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समर्थन में नारे लगाए। उन्होंने मांग की कि छात्रों पर बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच कराई जाए, यदि किसी स्तर पर अधिकारों का उल्लंघन हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। अधिवक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता समाज सदैव संविधान की गरिमा, विधि के शासन और जनहित के मुद्दों के प्रति सजग रहा है। शिक्षा, न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मामलों में समाज की आवाज बुलंद करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है और भविष्य में भी वे संविधान की रक्षा के लिए इसी तरह अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। प्रदर्शन में जिले के बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सहभागिता की। इस दौरान न्यायालय परिसर के बाहर मौजूद नागरिकों ने भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन का समर्थन करते हुए अधिवक्ताओं के साथ एकजुटता व्यक्त की। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ।

संस्कार लॉ कॉलेज में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान, रैली निकालकर दिया नशामुक्ति का संदेश

अनूपपुर। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से संस्कार लॉ कॉलेज, अनूपपुर में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त भारत का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज परिसर से निकाली गई जागरूकता रैली से हुई। रैली को महाविद्यालय प्रबंधन एवं अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाथों में पोस्टर और बैनर लिए विद्यार्थियों ने शहर के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण करते हुए नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशे से दूरी, जीवन के लिए जरूरी और स्वस्थ युवा, सशक्त भारत जैसे नारों के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। रैली के बाद महाविद्यालय सभागार में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस दौरान विधि विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार एवं सेवन से जुड़े कानूनी परिणामों की जानकारी दी। वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। अभियान के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय परिसर में सामूहिक शपथ ग्रहण कराया गया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने कहा कि विधि के विद्यार्थियों का दायित्व केवल कानून का अध्ययन करना ही नहीं, बल्कि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जनजागरण करना भी है। उन्होंने कहा कि संस्कार लॉ कॉलेज नशामुक्त और जागरूक समाज के निर्माण के लिए ऐसे अभियान लगातार संचालित करता रहेगा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजन की स्थानीय नागरिकों एवं बुद्धिजीवियों ने सराहना करते हुए इसे युवाओं में सकारात्मक सामाजिक चेतना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शनिवार 25 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भक्तों को आनंद प्रदान करने अवतार लेते हैं भगवान : पं पचोरी

तेंदूखेड़ा। जब धरती पर अधर्म बढता है पापाचार दुराचार बढ़ने लगता है तब धर्म कि विधिवत स्थापना के लिए अपने भक्तों को आनंद प्रदान करने के लिए भगवान अवतार लेते हैं उक्त उद्गार कथा व्यास पं प्रमोद पचोरी के द्वारा प्रतिष्ठित कोठारी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में व्यक्त किए। सृष्टि विषयक व्याख्यान में महाराज मनु के द्वितीय पुत्र प्रियव्रत जी के वंश का वर्णन करते हुए वृत्रासुर का चरित्र प्रहलाद चरित्र सदाचार वर्णाश्रम धर्म नारी धर्म गज -ग्राह चरित्र समुद्र मंथन बलि वामन संवाद सूर्यवंश चंद्रवंश का विस्तार से वर्णन करते हुए श्री कृष्ण अवतार की सुंदर कथा सुनाई। भगवान बालकृष्ण की सुन्दर बाल लीलाओं की कथा श्रवण कराई। तथा गोवर्धन पर्वत का वर्णन बड़े ही मनोरम भाव से सुनाते हुए स्पष्ट किया कि इंद्र को अपनी शक्ति का अभिमान हो जाने के कारण स्वयं योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण ने नग पर पर्वत धारण कर अपने भक्तों की रक्षा की थी। और इंद्र के अभियान को नष्ट किया था। भगवान बांके बिहारी का सुंदर स्वरूप और गोवर्धन पूजन में श्रद्धालुओं ने बड़े ही भक्ति भाव के साथ किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने पहुंच रहें हैं। आयोजकों ने सभी धर्मावलंबी जनों से कथा में पधारने का आग्रह है।

अनोखे जुड़वा बच्चों ने लिया जन्म

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला चिकित्सालय में प्रसव हेतु भर्ती कराई गई महिला ने अनोखे दो जुड़ावा बच्चों को जन्म दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बम्हौरी सोकलपुर निवासी महिला को प्रसव के लिए जिला चिकित्साल में भर्ती कराया गया था जहां पर महिला की स्थिति को देखते हुए डाक्टरों द्वारा ऑपरेशन किया गया जिसमें आपरेशन के दौरान दो अनोखे जुड़वा बच्चों को निकाला गया। दो बच्चे एक दूसरे से कमर के भाग से जुड़े हुए है। डॉक्टरों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक से की शिकायत

बीएसी पर धमकी देने व पद के दुरुपयोग का आरोप

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने तथा अच्छी शिक्षा व्यवस्थाएं देने के लिए प्रयासरत है परन्तु स्कूल शिक्षा मंत्री के गृह जिले में शिक्षा विभाग के भीतर अंदरूनी खींचतान और विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। स्कूल में पदस्थ दो महिला शिक्षिकाओं ने एक ब्लॉक अकादमिक समन्वयक (बीएसी) पर अनुचित हस्तक्षेप, पद के दुरुपयोग और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को एक लिखित आवेदन सौंपा है। शिक्षिकाओं का कहना है कि विभागीय कार्यप्रणाली में अनावश्यक दखलअंदाजी के कारण स्कूल का माहौल असहज हो रहा है। जिला प्रशासन को चाहिए कि महिला शिक्षिकाओं द्वारा दिए गए आवेदन पर विचार करते हुए जांच पड़ताल कर ठोस कार्रवाई करे जिससे आपसी कलह का प्रभाव स्कूल में पड़ने वाले विद्यार्थियों पर ना पड़े।

मामला इस प्रकार

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिक्षिका प्रज्ञा तिवारी और नासिरा बेगम (नाजरा बेगम) ने शिकायत दर्ज कराई है। शिक्षिका प्रज्ञा तिवारी ने बताया कि उनके ही स्कूल में कार्यरत शिक्षिका सिया झारिया के पति विनोद कुमार झारिया बीआरसी कार्यालय में बीएसी के पद पर पदस्थ हैं। कथित तौर पर स्कूल के आंतरिक व अकादमिक मामलों में दखल देते हैं। शिकायतकर्ता शिक्षिकाओं का दावा है कि स्कूल से जुड़ी किसी भी सामान्य बातचीत या पत्राचार के दौरान भी उक्त अधिकारी द्वारा हस्तक्षेप किया जाता है और फोन करके अनुचित दबाव बनाने का प्रयास किया जाता है। शिक्षिकाओं ने अपनी शिकायत में इस बात की भी गंभीर आशंका व्यक्त की है कि उन पर दबाव बनाने की नीयत से किसी झूठे मामले में फंसाने का प्रयास किया जा सकता है।

मानसिक प्रताड़ना का आरोप

शिक्षिकाओं द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि उनका ऐसा कोई गंभीर मामला नहीं है, फिर भी अधिकारी द्वारा अपने पद और प्रभाव का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। फोन पर लगातार मिल रही धमकियों से वे अत्यधिक मानसिक तनाव में हैं, जिससे स्कूल का शैक्षणिक माहौल भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनके पास बातचीत के साक्ष्य के तौर पर कॉल रिकॉर्ड सुरक्षित हैं। आवेदन के माध्यम से शिक्षिकाओं ने भविष्य में किसी झूठे या जातिगत विद्वेष से भरे मामले में फंसाए जाने की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग की है। विद्यार्थियों की शिक्षा देने वाली शिक्षिकाएं आपसी विवाद में उल्झी रहेंगी तो विद्यार्थियों के अध्यापन का कार्य भी व्यवस्थित नही हो सकेगा। प्रशासन को चाहिए कि मामले की जांच पड़ताल कर ठोस कार्रवाई करते हुए शिक्षिकाओं का आपसी समन्वय बनाया जाए। जिससे आपसी विवाद का प्रभाव विद्यार्थियों पर ना पड़े।

शिक्षा विभाग में बढ़ रहे विभागीय विवाद

बीते दिनों से शिक्षा विभाग में विवाद सामने आ रहे है। यह पहला मामला नहीं है। इसके पूर्व डाइट में प्राचार्य पद को लेकर विवाद सामन आया और उसके बाद जिला उत्कृष्ट विद्यालय में दो प्राचार्यों के टकराव के बाद अब पीएम श्री पुलिस लाइन स्कूल की आपसी कलह खुलकर सामने आ चुकी है। ऐसे में पीएम श्री पुलिस लाइन स्कूल से जुड़े इस नए विवाद के सामने आने के बाद विभागीय गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। प्रशासन को चाहिए की जांच पड़ताल कर ठोस कार्रवाई की जाए जिससे विभाग में विवाद उत्पन्न ना हो और शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चलता रहे यदि ना हुआ तो कही ऐसा ना हो विद्यार्थियों की शिक्षा देने वाले शिक्षक शिक्षिकाएं आपसी विवाद में उलझे रहे और इस असर परीक्षा परिणाम पर पड़े। प्रशासन के उच्च अधिकारी इस ओर ध्यान देकर विवाद का निपटारा कराया जाना बेहद आवश्यक है।

विद्यार्थियों को वितरित की लेखन सामग्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस लीनेश वीरांगना क्लब की एरिया ऑफिसर लीनेस रूप कला कटारे के तत्वावधान में ग्राम सिमरिया प्राथमिक विद्यालय में लेखन सामग्री का वितरण किया गया। शाला की प्रधानपाठिका अरुणा सोनी, शिक्षक काजल किरण साहू से सौजन्य भेंट की बच्चों से परिचय लिया ओर उनसे मानसून विषय पर चर्चा की एवं मानसून विषय पर वही बच्चो से ड्राइंग कॉम्पिटिशन भी कराया जिसमें प्रथम स्थान अंबिका चैधरी, द्वितीय अंशिका चैधरी तृतीय अनन्या यादव ने प्राप्त किया। बच्चो को भी सांत्वना पुरस्कार दिए। शाला के सभी बच्चों को श्री ईन वन कापी पेन का वितरण किया। शाला परिसर का अवलोकन किया जो की वहुत जर्जर अवस्था मे हे ग्राम पंचायत का ध्यान इस ओर दिलाने का आश्वासन अध्यक्ष ली. पूनम जैन ने कहा जहां लाइट पंखा किसी भी सुविधा से वंचित हे यह स्कूल पंचायत का ध्यान इस ओर होना चाहिए। इस अवसर पर एरिया आफिसर रुप कला कटारे, अध्यक्ष पूनम जैन, माइक्रो चेयरपर्सन सविता महोविया, कोषाध्यक्ष रजनी राजोरिया, प्रीती गोस्वामी, रेनु नोरिया , कविता पटेल, माधुरी यादव एवं लीनेस क्लब को ज्वाईन करने वाली हे छाया मुड़िया मौजूद थीं।

विद्यार्थियों ने किया जेल का शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विधि विभाग के षष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने मूट कोर्ट विषय के अंतर्गत जिला जेल का शैक्षणिक भ्रमण किया। प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के संरक्षण में आयोजित इस विजिट का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक विधिक प्रक्रियाओं से अवगत कराना रहा। भ्रमण के दौरान अजय डेहरिया ने विद्यार्थियों को जेल परिसर के विभिन्न प्रकोष्ठों, कैदियों के वर्गीकरण, आवासन, स्वास्थ्य एवं भोजन व्यवस्था की जानकारी दी। इसके साथ ही बंदियों के अधिकार एवं कर्तव्य, पुनर्वास कार्यक्रम, विधिक सहायता की उपलब्धता और वरिष्ठ कैदियों को मिलने वाली विशेष सुविधाओं सहित मानवाधिकारों के पालन से जुड़े विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। जेल अधीक्षक द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष केशव प्रसाद पांडे, विषय प्रभारी भरत सिंह ठाकुर, हेमंत डेहरिया और विधि विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी एवं स्कूल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले के ग्राम मुड़िया में आंगनवाड़ी केन्द्र एवं शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार की गुणवत्ता जांचने के लिए स्वयं भोजन चखकर देखा तथा आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह के निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज संख्या 16 के विरुद्ध 13 बच्चे उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान कुपोषण की स्थिति की भी जानकारी ली गई, जिसमें 2 बच्चे गंभीर कुपोषित (सेम) एवं 2 बच्चे मध्यम कुपोषित (मेम) श्रेणी में पाए गए। कलेक्टर ने संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला मुड़िया का निरीक्षण किया। विद्यालय में दर्ज बच्चों की संख्या 27 के विरुद्ध 20 छात्र उपस्थित पाए गए। कलेक्टर ने बच्चों से शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में बातचीत कर उनकी पढ़ाई के बारे में जाना। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि बच्चों की शिक्षा एवं पोषण से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

जनसुनवाई, 327 आवेदनों पर सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के जनप्रतिनिधि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने अपने नरसिंहपुर स्थित निवास पर जनसुनवाई कर जिलेभर से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने राजस्व, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन तथा अन्य शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याओं के आवेदन प्रस्तुत किए जनसुनवाई के दौरान कुल 327 आवेदन प्राप्त हुए इनमें से अधिकांश समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देशों के साथ प्रेषित किया गया। विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल का आमजन से सीधा संवाद और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान की कार्यशैली ही उनकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। जनसुनवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकारगण भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली सहकारी बैंक प्रबंधकों की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं सहकारी बैंक प्रशासक श्रीमती रजनी सिंह ने सहकारी बैंक में आयोजित शाखा प्रबंधकों की बैठक में ऋण वितरण, ऋण वसूली, अमानत संग्रहण, खाद वितरण व्यवस्था तथा लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। गत रबी सीजन के ऋण वितरण एवं वसूली की शाखावार समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने लक्ष्य से कम वसूली करने वाली शाखाओं के प्रबंधकों से कारण पूछने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने बैंक महाप्रबंधक को संबंधित शाखा प्रबंधकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से कौड़िया, बरमान एवं करकबेल शाखाओं में कालातीत ऋणियों से कम वसूली पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि नियमानुसार प्रकरण बनाकर नोटिस तामील कराई जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पुराने कालातीत प्रकरणों में डोर-टू-डोर संपर्क कर लक्ष्य अनुसार ऋण वसूली सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषकों एवं हितग्राहियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए तथा समितियों में क्रेडिट मूवमेंट बढ़ाने के साथ नए कार्य प्रारंभ कर ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं का विस्तार किया जाए।

रासेयो स्वयंसेवकों ने निकाली नशा मुक्ति जन जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के संरक्षण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी के मार्गदर्शन में, दलनायिका मनीषा राजपूत एवं सह दलनायिका गरिमा पांडेय के नेतृत्व में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत आज 24 जुलाई 2026 को महाविद्यालय परिसर से नगर पालिका चैराहा होते हुए सुभाष पार्क तक नशा मुक्ति जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशा मुक्त युवा, सशक्त भारत तथा स्वस्थ युवा, समृद्ध भारत जैसे प्रेरणादायक नारों के साथ आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जागरूक एवं अनुशासित जीवन अपनाने का संदेश दिया।

संदीपनी विद्यालय में कठपुतली नाटक के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

तेंदूखेड़ा। सामाजिक न्याय एवं निशक्त जन कल्याण विभाग नरसिंहपुर द्वारा संदीपनी शासकीय विद्यालय डोभी में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें कठपुतली नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों एवं उससे होने वाले सामाजिक पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के बारे में सरल एवं प्रभावी ढंग से बताया गया।कलाकारों ने अपने आकर्षक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि नशा व्यक्ति के जीवन परिवार और समाज पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है।विद्यार्थियों को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।सभी विद्यार्थियों को नशा न करने एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने भी नशे से दूर रहने और दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया।विद्यालय परिवार ने सामाजिक न्याय एवं निशक्त जन कल्याण विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्रों में सकारात्मक सोच विकसित करने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

गाडरवारा तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग पर विशाल बड़े गड्ढे

तेंदूखेड़ा। प्रतिदिन हो रहे हादसे वाहनों में हो रही टूट फूट तेंदूखेड़ा इन दिनों तेंदूखेड़ा से गाडरवारा तरफ जाने वाले सड़क मार्ग पर खकरिया से वेयरहाउस के बीच लगभग आधा किलोमीटर सड़क मार्ग पर भारी गढ्ढे हो जाने के कारण बाहन चालक परेशान हो रहे हैं। वहीं गड्ढों में गिरकर बाहनों में टूट-फूट और चालक वर्ग चोटिल हो रहे हैं। गौरतलब रहे कि इस सड़क मार्ग पर बड़ी संख्या में भारी वाहनों की आवाजाही बनी रहती हैं। क्षमता से अधिक लोड लेकर बाहन गुजरते हैं।तथा वेयरहाउस से आगे खकरिया तरफ तक सड़क मार्ग पर निर्माण हो पाना संभव नहीं हो रहा है।जिस कारण से गंभीर स्थिति बनीं हुई है।विशेष तौर पर छोटे बाहन चालकों को ज्यादा परेशानी हुआ करती है।छोटी कारें गड्ढों में फंस जाती हैं तथा सालेंसरों में पानी भर जाने के कारण गाडियां बंद हो जाती है।खाई नुमा इन गड्ढों में नीचे चेंबर टकरा जाने के कारण आइल गिर रहा है।पहली बार अजनबी निकलने वाले बाहन चालकों को यहां से निकल पाना ज्यादा पीड़ा दायक बना हुआ है।